हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शनिवार, दिनांक 22 अगस्त, 2026 को माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11:00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

22.08.2026/1100/AT/AS/01

शोकोद्‌गार

अध्यक्ष : अब माननीय मुख्य मंत्री महोदय, स्वर्गीय श्री ज्ञानचंद, श्री विजेंद्र सिंह एवं श्री रामचंद भाटिया, पूर्व विधान सभा सदस्यों के निधन पर शोकोद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद जी का 03 जून 2026 को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।स्वर्गीय ज्ञानचंद जी का जन्म 12 अगस्त, 1937 को जिला कांगड़ा के गांव वे डाकघर चढियार, तहसील पालमपुर में हुआ था। उन्होंने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की थी। वे वर्ष -1977 में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए तथा अपने क्षेत्र के विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वर्गीय ज्ञान चंद जी के सामाजिक कार्यों एवं गरीब लोगों की सेवा में विशेष रुचि थी। यह माननीय सदन स्वर्गीय ज्ञानचंद जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा करता है और उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि पूर्व मंत्री श्री विजेंद्र सिंह जी का 1 जुलाई, 2026 को 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय विजेंद्र सिंह जी का जन्म 26 जून, 1946 को देहरादून में हुआ था।स्वर्गीय विजेंद्र सिंह जी ने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की थी। वे वर्ष 1970 में पहली बार सोलन जिला के नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वे वर्ष 1982, 1985, 1990 व 1993 में पुनः विधायक चुने गए। वे 2 मई, 1982 से 7 अप्रैल, 1983 तक मुख्य संसदीय सचिव रहे।वे वर्ष 1983-84 तथा 1988-89 में प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार

कल्याण राज्य मंत्री भी रहे।स्वर्गीय विजेंद्र सिंह जी की समाज सेवाओं में विशेष रुचि थी वे सदा निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रतिक रहे। यह माननीय सदन स्वर्गीय विजेंद्र

22.08.2026/1100/AT/AS/02

सिंह जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा करता है।उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि पूर्व विधायक श्री रामचंद भाटिया जी का 29 जुलाई, 2026 को 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी का जन्म 4 फरवरी, 1948 को जिला कांगड़ा के गांव अम्तर, डाक्ट घर सनेड़ में हुआ था उन्होंने बी0ए0 की शिक्षा प्राप्त की थी उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल और सहज था। लोगों के बीच उनकी सहज उपलब्धता, निष्पक्षता और समस्याओं को समझने की क्षमता ने उन्हें जनप्रिय बनाया। वे वर्ष 1982, 1985 व 1990 में नगरोटा विधान सभा क्षेत्र

श्रीमती ऐ0वी0 द्वारा जारी.....

22.08.2026/1105/av/as/1

मुख्य मंत्री--------जारी

वे वर्ष 1982 तथा वर्ष 1985 में सदन की लोक लेका समिति, लोक उपक्रम समिति, नियम समिति, आवास समिति और कार्य सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे। उनकी सामाजिक कार्यों एवं गरीब लोगों की सेवा करने में विशेष रूचि थी।

यह माननीय सदन स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते

हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

22.08.2026/1105/av/as/2

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन में मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किए गए शोकोद्‌गार में मैं स्वयं और अपने दल को भी शामिल करता हूं।

इस माननीय सदन के पूर्व सदस्य श्री ज्ञान चन्द जी का जन्म दिनांक 12 अगस्त, 1937 को डाकघर व गांव चढ़यार में हुआ था। उनका दुःखद निधन दिनांक 03 जून, 2026 को हुआ था। वे परिसीमन से पहले अस्तित्व में रहे थुरल विधान सभा क्षेत्र से वर्ष 1977 में विधायक के रूप में चुने गए थे। उस समय उन्होंने जनता पार्टी से चुनाव लड़ा था। वर्ष 2008 में जब परिसीमन हुआ तो थुरल विधान सभा का काफी ज्यादा हिस्सा उसके साथ लगते सुलह विधान सभा क्षेत्र में गया और उसके बाद उस विधान सभा क्षेत्र का नाम थुरल नहीं रहा। उस विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने एक जन-प्रतिनिधि और विधायक होने के नाते अपनी बहुत बेहतर सेवाएं दीं और विकास के कार्य किए। उनके द्वारा उस वक्त किए गए विकास कार्यों के लिए उनको आज भी याद किया जाता है। श्री ज्ञान चन्द जी सहज और सरल स्वभाव के थे। उनकी दुःखद मृत्यु पर हम सभी, सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से शोकोद्‌गार प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में श्री विजयेन्द्र सिंह जिनको राजा भी कहा जाता था, उनका 80 वर्ष की आयु में दुःखद निधन हुआ है। उनका जन्म दिनांक 26 जून, 1946 को देहरादून में हुआ था। उनके पिता स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र सिंह जी थे। उन्होंने ग्रेजुएशन तक पढ़ाई की थी और इस माननीय सदन में वर्ष 1977, 1982, 1985, 1990 और वर्ष 1993 यानी इस माननीय सदन में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए वे पांच बार सदस्य रहे। वे वर्ष 1982 से दिनांक 07 अप्रैल, 1983 तक संसदीय सचिव रहे। वे राज्य मंत्री भी रहे और उनके पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भी रहा। समाज में एक जन-प्रतिनिधि के नाते उनकी बहुत सारी चीजों को आज भी स्मरण किया जाता है। इस सदन के अंदर उनकी छवि एक ईमानदार नेता के रूप में रही। उनका दुःखद निधन दिनांक 01

जुलाई, 2026 को हुआ है। मैं अपनी और अपने दल की ओर से उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट करता हूं और उनके उस योगदान को स्मरण करता हूं जो इस विधान सभा के अंदर एक चुने हुए प्रतिनिधि के नाते उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान दिया।

टी सी द्वारा जारी

22.08.2026/1110/टी0सी0वी0/डी0सी0/-1
शोकोद्गार .. . जारी
श्री जय राम ठाकुर... जारी

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी का 78 वर्ष की आयु में दिनांक 29 जुलाई, 2026 को दुखद निधन हुआ। उनका जन्म दिनांक 4 फरवरी, 1944 को गांव अम्तरात, डा0 सुनेर, तहसील एवं जिला कांगड़ा में स्वर्गीय सुदो राम जी के घर में हुआ था। वह नगरोटा विधान सभा क्षेत्र से तीन बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे सहज एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी जानता था। उनका हमारे राजनीतिक दल से संबंध रहा है और समाज सेवा में उनकी बहुत गहरी रुचि थी। वे कम बोलते थे लेकिन समाज के प्रति उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा।

अध्यक्ष महोदय, इन तीनों पूर्व विधायकों के परिवारजनों को आप जो संवेदनाएं प्रेषित करेंगे उसमें हमारे दल और मेरी ओर से भी संवेदनाएं शामिल की जाए। इन तीनों पूर्व माननीय विधायकों के प्रति सदन में प्रस्तुत किए गए शोकोद्गार में अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए, मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

22.08.2026/1110/टी0सी0वी0/डी0सी0/-2

कृषि मंत्री : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष की ओर से मुख्य मंत्री श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू जी और प्रतिपक्ष की ओर से श्री जय राम ठाकुर जी ने स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद भाटिया, श्री विजयेन्द्र सिंह और स्वर्गीय श्री रामचंद भाटिया के प्रति जो शोकोद्गार व्यक्त किए हैं, उसमें मैं भी अपने आपको शामिल करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद भाटिया एक एक्स-सर्विसमैन और कैप्टन थे। वे पहली मर्तबा वर्ष 1970 में थुरल विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर आए थे। वे बड़े अच्छे और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। वर्ष 1977 में उनकी तिगड़ी, जिसमें ठाकुर गुलाब सिंह जी, स्वर्गीय श्री सुजान सिंह पठानिया जी और स्वयं श्री ज्ञान चंद भाटिया जी शामिल थे, तीनों जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचित होकर आए थे लेकिन जब जनता पार्टी का विभाजन हुआ तब ये तीनों कांग्रेस पार्टी में सम्मिलित हो गए थे । जैसा कि नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि थुरल विधान सभा क्षेत्र का कुछ एरिया डिलीमिटेशन की वजह से सुलह में चला गया था। इसके बाद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा लेकिन उस समय के विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में उन्होंने अच्छा कार्य किया।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह का संबंध है जिन्हें नालागढ़ के राजा विजयेन्द्र सिंह भी कहा जाता था उनके साथ मुझे भी कार्य करने का अवसर मिला। वर्ष 1984 में जब वह हैल्थ मिनिस्टर थे तब मैं डिप्टी मिनिस्टर हैल्थ सर्विसीज था। उस समय हमने टांडा मेडिकल कॉलेज का फाउंडेशन स्टोन रखा और उसे संचालित किया। रायबहादुर जोधा मल ने टांडा मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन दान के रूप में दी थी। हम चाहते थे कि वहां उनका बस्ट लगाया जाए। इसके लिए हमने पूरी शान-शौकत के साथ कार्यक्रम आयोजित किया और उनके पुत्र जो इंग्लैंड में रहते थे, को वहां बुलाया तथा रायबहादुर जोधा मल का बस्ट उनके नाम पर टांडा मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में लगाया गया। उस समय श्री विजयेन्द्र सिंह मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर हेल्थ थे और मैं उनके साथ अटैच था।

22.08.2026/1110/टी0सी0वी0/डी0सी0/-3

इसके अतिरिक्त मैं तीन मंत्रियों के साथ भी अटैच था। उस समय मैं मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी के साथ सूचना एवं प्रसारण विभाग में, श्री शिव कुमार जी के साथ हायर एजुकेशन विभाग में तथा स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी के साथ हेल्थ मिनिस्ट्री में अटैच था। वे पांच बार विधायक

एन0एस0 द्वारा जारी ...

22-8-2026/1115/एन0एस0-डी0सी0/1

शोकोद्‌गार------जारी

कृषि मंत्री ------जारी

वे पांच बार विधायक रहे और वे विपक्ष में भी काफी देर तक रहे। उनके पास बड़ा विभाग था। जिस समय उनकी मृत्यु हुई तो मुख्य मंत्री जी ने उस वक्त मेरी ड्यूटी लगाई और मैं उनकी अंत्येष्टि में भी नालागढ़ गया था। उन्होंने काफी लंबे समय तक अपने चुनाव क्षेत्र की सेवा की।

जहां तक माननीय राम चंद भाटिया जी का संबंध है तो वे बैकवर्ड क्लास माइनॉरिटी के लिए काम करते थे। वे बड़े साधारण परिवार से उठकर विधायक बने और उन्हें नगरोटा से तीन बार विधायक के रूप में काम करने का मौका मिला। वे बड़े हंसमुख थे और बड़े साधारण परिवार में पैदा हुए थे। उन्हें तीन मर्तबा नगरोटा चुनाव क्षेत्र की सेवा करने का मौका मिला। वे एक बार मुझसे कहने लगे कि मेरी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है। इसलिए मैंने स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह जी का फोटो अपने घर में लगाया है और मैं सुबह उस फोटो को धूप देता हूं तथा कहता हूं कि उनकी आयु लंबी हो जिन्होंने हमारे लिए पेंशन का प्रावधान किया है। वे कई बार मेरे साथ इस प्रकार के उद्‌गार व्यक्त करते थे। जब वे चुनाव हार गए तो उसके बाद वे खेतीबाड़ी की तरफ ही ज्यादा तवज्जो देने लग गए थे। उन्होंने भी अपने क्षेत्र में गरीब लोगों और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए अच्छा काम किया है। मुझे इन तीनों दिवंगत नेताओं स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद जी, स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी और स्वर्गीय श्री राम चंद भाटिया जी के साथ मंत्री और विधायक के रूप में काम करने का मौका मिला है। मैं इन तीनों के प्रति शोक-सुमन अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि इनके परिवारजनों को इस क्षति को सहन करने की ताकत दे ताकि वे इस क्षति से उभर सकें तथा भगवान इनके परिवारजनों को लम्बी आयु दे। धन्यवाद।

22-8-2026/1115/एन0एस0-डी0सी0/2

अध्यक्ष : अब माननीय शिक्षा मंत्री जी शोकोद्‌गार में भाग लेंगे।

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री द्वारा यहां शोक प्रस्ताव लाया गया है, मैं भी उसमें अपने आपको शामिल करता हूं। गत बजट सैशन और इस मॉनसून सैशन के बीच हमारे प्रदेश के तीन वरिष्ठ नेताओं की क्षति हुई है जिसमें सर्वप्रथम श्री विजयेन्द्र सिंह जी जो नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र से लगातार पांच बार विधायक रहे और दो दशकों तक उनका बहुत बड़ा प्रभाव अपने जिले और विधान सभा क्षेत्र में रहा। हालांकि, उनका संबंध एक राजसी परिवार से था लेकिन उनकी जमीनी स्तर पर भी मजबूत पकड़ थी। यही कारण था कि वे लगातार दो दशकों तक अपने विधान सभा क्षेत्र से विधायक रहे। जैसा कि नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे पहले जनता पार्टी में थे और वर्ष 1980 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कैप्टन ज्ञान चंद जी भी ठाकुर राम लाल जी के समय में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और उन्हें मुख्य संसदीय सचिव के रूप में कार्यभार दिया गया था। जैसा कि हम सुनते आए हैं, उस वक्त माननीय रंगीला राम राव जी के साथ माननीय विजयेन्द्र सिंह जी ने बहुत प्रभावी मुख्य संसदीय सचिव के रूप में विभाग में कार्य किया। उसके उपरांत वे वीरभद्र सिंह जी के मंत्रिमण्डल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रहे और ऐसा यहां पर वर्तमान कृषि मंत्री माननीय चन्द्र कुमार जी ने भी कहा है। उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत एवं सुदृढ़ करने के लिए भी बहुत प्रयास किया। उनका अंतिम चुनाव वर्ष 1998 में हुआ। वर्ष 1998 में नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के माननीय हरी नारायण सैनी जी उस वक्त चुनाव जीतकर आए थे। श्री विजयेन्द्र सिंह जी ने उसके बाद अपने आपको राजनीति से दूर कर लिया था और पब्लिक लाइफ में भी उनका आना-जाना काफी कम हो गया था। उनके जाने की क्षति बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने जो कार्य किए वे मात्र नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे बल्कि जैसा मैंने कहा कि हैल्थ मिनिस्टर के रूप में उन्होंने पूरे प्रदेश के लिए कार्य किया।

इसी तरह से दो अन्य नेताओं का संबंध कांगड़ा जिला से था। यदि हम श्री राम चंद भाटिया जी की बात करें तो वे भी नगरोटा विधान सभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे हैं। वहां से कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता चौधरी हरदयाल जी हुआ करते थे और वे उनके चुनाव क्षेत्र नगरोटा से चुनाव जीत कर आए थे। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता थे।

22-8-2026/1115/एन0एस0-डी0सी0/3

वर्ष 1977 में कैप्टन ज्ञान चंद जी को विधान सभा क्षेत्र थुरल व सुलह से विधायक के रूप में जनता ने चुनकर भेजा था और उन्होंने ने भी अपने विधान सभा क्षेत्र में हर संभव तरीके से विकास करने का प्रयास किया। मैं इन तीनों दिवंगत

आर0के0एस0 द्वारा -------जारी

22.08.2026/1120/RKS/HK-1

माननीय शिक्षा मंत्री... जारी

मैं इन तीनों दिवंगत आत्माओं को अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं और उनके परिवार के प्रति भी अपनी सांत्वना प्रकट करता हूं। धन्यवाद।

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री विपिन सिंह परमार जी अपने शोकोद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री विपिन सिंह परमार : अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्यों, श्री ज्ञान चंद जी, श्री विजयेन्द्र सिंह जी तथा श्री राम चन्द भाटिया जी के निधन पर जो शोकोद्‌गार प्रस्तुत किए गए हैं, उसमें मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं। सबसे पहले मैं स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद जी को अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। उनका संबंध एक छोटे से गांव चढ़ियार-मतियाल से था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत वे भारतीय सेना में चले गए और लंबे समय तक भारतीय सेना को अपनी सेवाएं समर्पित की। सेवानिवृत्ति के बाद वे सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हुए और लोगों के सुख-दुःख में सहभागी बनने का कार्य निरंतर करते रहे। वर्ष 1977 में जनता पार्टी ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया और वे विधायक निर्वाचित हुए। वर्तमान में चढ़ियार क्षेत्र जयसिंहपुर विधान सभा क्षेत्र का हिस्सा है। यानी वर्ष 2002 के बाद जो पुनर्सीमांकन की प्रक्रिया शुरू हुई उसके बाद यह क्षेत्र जयसिंहपुर विधान सभा क्षेत्र में सम्मिलित हो गया। एक जनप्रतिनिधि के नाते मैं यह कह सकता हूं कि उन्होंने अपने क्षेत्र में सड़कों, बिजली, स्वास्थ्य तथा शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। आम जनता के साथ उनका संपर्क अत्यंत जीवांत था। भारतीय सेना में उन्हें इंडियन कमांडैंट के रूप में भी सम्मानित किया गया था। वर्तमान समय में वह पालमपुर में रहते थे। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के निकट अपना घर बनाया था। दिनांक 12 अगस्त, 1937 को जिस भूमि पर

उनका जन्म हुआ, वहीं कुछ समय पूर्व उनका देहावसान हुआ। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

इसी प्रकार मेरे विधान सभा क्षेत्र के साथ लगते क्षेत्र में श्री राम चन्द भाटिया जी का निवास स्थान है। उनके साथ भी हमारा वर्षों पुराना संबंध रहा क्योंकि नगरोटा

22.08.2026/1120/RKS/HK-2

तथा सुलह क्षेत्र एक-दूसरे के निकट हैं और एक ही प्रशासनिक जिले का हिस्सा होने के कारण वर्षों से हमारा उनसे सरोकार था। वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी के गठन के उपरांत वे हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री बने और उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभाया। यानी उन्होंने संगठन के विस्तार के लिए अपनी सादगी और व्यवहार के बलबूते पर निरंतर इस विचार को जनमानस तक पहुंचाने का काम किया। वे एक साधारण परिवार से संबंध रखते थे। बचपन में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया था और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ नहीं थी। परिवार के पालन-पोषण के लिए वे लकड़ियां काटकर बेचते थे। स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के लिए वे नगरोटा-मतराहठ से धर्मशाला तक मीलों पैदल यात्रा करते थे। पढ़ाई के साथ-साथ वह घर के कार्यों में भी सहयोग करते थे और अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। यानी उनका निरंतर लोगों के साथ सादगीपूर्ण व्यवहार रहा। । जैसा कि पहले भी कहा गया कि वह वर्ष 1982 से वर्ष 1992 के मध्य तीन बार इस विधान सभा के सदस्य रहे। मैंने उन्हें निकट से देखा है और उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी गाड़ी नहीं रखी।

श्री बी0एस0द्वारा जारी

22.08.2026/1125/बी.एस./एच.के.-1

श्री विपिन सिंह परमार जारी...

हालांकि एक विधायक और पूर्व विधायक को गाड़ी लेने के लिए ऋण का प्रावधान रहता है परंतु उन्होंने अपने जीवन में गाड़ी ही नहीं रखी। जब हम उनसे निजी गाड़ी के बारे में पूछते

थे तो वह कहते थे कि यह जो परिवहन निगम है यह भी तो हमारे लिए ही है। निगम की बसों में विधायक और सांसदों के लिए जो आरक्षित सीट ड्राइवर के पीछे चिन्हित रहती थी उसके बारे में वह हंसते-हंसते कहते थे कि वह सीट हमारे लिए ही तो बनी है।

यानी एक विधायक सामान्य नागरिक का जीवन कैसे जीता है इसका मूक दर्शन हम उनके व्यवहार में देख सकते हैं। वे तीन बार इस माननीय सदन के सदस्य रहे और वे आंकड़ों के भी माहिर थे जब उनको बोलने का मौका मिलता था तो वे सदन से लेकर राजनीतिक मंचों तक वर्षों पुराने आंकड़े बहुत विस्तार से और बड़े तथ्यात्मक रूप से रखते थे।

जब तक वे इस सम्माननीय विधान सभा में विधायक रहे उनकी उपस्थिति सदन में शत-प्रतिशत रही और कमेटियों की बैठकों में भी उनकी हाजिरी शत-प्रतिशत रही। इससे यह स्पष्ट होता है कि वह अपने कर्म के प्रति कितने ईमानदार थे। उस समय इस माननीय सदन में उनको सम्मानित भी किया गया था। श्री चौधरी राम चन्द भाटिया जी बहु-आयामी प्रतिभा के धनी थे। वे एक साधारण परिवार से निकलकर खेतीबाड़ी करते हुए और अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद तीन बार विधायक बने। मैं उनको देखने के लिए आई0सी0यू0 टांडा में भी गया था। वहां मैंने उनके अंतिम दर्शन किए। वे बात नहीं कर रहे थे और चिकित्सक उनका उपचार कर रहे थे परंतु मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद उनको देखने का यह मेरा अंतिम अवसर है। उनकी अंत्येष्टि में भी हम नगरोटा में उनके गांव में शामिल हुए थे। मैं श्री चौधरी राम चन्द भाटिया जी को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

22.08.2026/1125/बी.एस./एच.के.-2

इसी तरह हमारे यहां स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी पांच बार इस माननीय सदन के सदस्य रहे। जैसा कि शोकोद्‌गार प्रस्तुत करते हुए बताया गया है उनका लंबा राजनीतिक जीवन रहा और नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र के लोगों के बीच वह वर्षों-वर्षों तक रहे। मुख्य संसदीय सचिव और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उन्होंने हिमाचल प्रदेश में अपनी सेवाएं दीं।

इन तीनों महान विभूतियों के बारे में मैं यह कह सकता हूं कि ये इस माननीय सदन के सदस्य रहे हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल में निस्संदेह अपने-अपने क्षेत्रों में साहसिक कार्य किए तथा लोगों के हित में महत्वपूर्ण कार्य किए। मैं अपनी ओर से तीनों माननीय सदस्यों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं, साथ-ही-साथ मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इन परिवारों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। यही ईश्वर से निवेदन करता हूं। आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

22.08.2026/1125/बी.एस./एच.के.-3

श्री पवन कुमार काजल : अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन में स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी, स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी और स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी पूर्व विधान सभा सदस्य रहे हैं। उनके निधन पर मैं इस शोकोद्‌गार में अपने आप को शामिल करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवारों को इस दुःख की घड़ी में सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पूर्व में रहे राम चन्द भाटिया जी नगरोटा-बगवां विधान सभा चनाव क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वे वर्ष 1982-1992 तक लगातार तीन बार नगरोटा-बगवां विधान सभा चुनाव क्षेत्र से विधायक चुने गए।

श्री डी0टी0 द्वारा जारी.....

22.08.2026/1145/DT/YK-1

श्री पवन कुमार काजल जारी...

वे जब भी सार्वजनिक मंच पर या विधान सभा में आंकड़े प्रस्तुत करते थे तो उन्हें कोई झुठला नहीं सकता था। इसी कारण तत्कालीन मुख्य मंत्री श्री शांता कुमार जी ने उनको 'आंकड़ों के जादूगर' का खिताब दिया था। विधान सभा में उनके कार्यकाल के दौरान उपस्थिति शत-प्रतिशत रही। सादगीपूर्वक जीवन जीने वाले विधायक के रूप में उन्होंने कभी भी निजी गाड़ी का उपयोग नहीं किया।

उनका प्रारंभिक जीवन संघर्षपूर्ण रहा। उनका जन्म वर्ष 1944 में एक किसान परिवार में हुआ। बचपन से ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण उन्होंने लकड़ियां बेचकर अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने धर्मशाला में ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई पूरी की। उनके परिवार में तीन बच्चे थे। उनके एक बेटे की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा बेटा कलर्क है और तीसरा पंप-ओपरेटर है।

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने वर्ष 1982, 1985 और वर्ष 1990 में विधान सभा चुनाव जीतकर विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दीं और उनका लंबा राजनीतिक सफर रहा। इस सदन के माध्यम से मैं इन तीनों नेताओं को अपनी शोक संवेदना प्रकट करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवारों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। धन्यवाद।

22.08.2026/1145/DT/YK-2

अध्यक्षः अब माननीय हरदीप सिंह बाबा जी अपने शोकोद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री हरदीप सिंह बावा : माननीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे भी स्वर्गीय श्री ज्ञानचंद जी, श्री विजयेन्द्र सिंह जी और श्री राम चंद भाटीया जी, जो विधान सभा के सदस्य रहे हैं, उनके शोकोद्‌गार में शामिल होने का अवसर दिया, इसलिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय राजा विजयेन्द्र सिंह जी जो नालागढ़ राज परिवार से संबंधित थे, वे पांच बार नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र से विधायक रहे। वे वर्ष 1977, 1982, 1985, 1990 और वर्ष 1993 में इस माननीय सदन के सदस्य रहे तथा पूर्व में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भी रहे। स्वर्गीय श्री वीरभद्र सिंह जी की सरकार में वे राज्य मंत्री थे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय विजयेन्द्र सिंह जी के बारे में जितना मैं कहूं उससे ज्यादा यहां मौजूद हमारे सीनियर सदस्य जानते हैं। उनकी जो लाइफ रही वे बहुत ही ईमानदार कार्यशैली के व्यक्ति थे और बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति भी थे।

नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र में उस समय जब सरकार के पास भी इतने रिसोर्सिज नहीं थे, उस समय चाहे कॉलेज हो, चाहे एस0डी0एम0 कार्यालय हो, चाहे तहसील कार्यालय हो, चाहे हॉस्पिटल हो और चाहे आई0टी0आई0 हो, इन सभी चीजों के लिए उनके द्वारा जमीन दी गई। उन्होंने अपनी निजी जमीन कॉलेज के लिए, एस0डी0एम0 कार्यालय के लिए, तहसील कार्यालय के लिए, आई0टी0आई0 के लिए और हॉस्पिटल के लिए दी। उस समय तहसील कार्यालय तो उनके अपने निवास पर चलता था।

उनकी लाइफ से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला है। नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र में उनके कंट्रिब्यूशन को वहां के लोग आज भी याद करते हैं और उनकी शराफत तथा ईमानदारी को लेकर आज भी लोग चर्चा करते हैं।

मैं आज इस शोकोद्‌गार में अपने आपको शामिल करता हूं और उनके इस दुखद निधन पर शोक प्रकट करता हूं। धन्यवाद।

22.08.2026/1145/DT/YK-3

अध्यक्षः अब माननीय श्री आशीष बुटेल जी अपने शोकोद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री आशीष बुटेल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा स्वर्गीय श्री ज्ञान चंद जी, श्री विजयेन्द्र सिंह जी और श्री रामचंद भाटिया जी जो कि सदन के पूर्व सदस्य रहे हैं, उनके निधन पर शोक प्रस्ताव रखा गया है, उसमें मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं।

श्री एन0जी0 द्वारा जारी....

22.08.2026/1135/वाई.के.-एन.जी./1

श्री आशीष बुटेल.......... जारी

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी थुरल विधान सभा क्षेत्र से वर्ष 1977 में पहली बार विधायक बनकर आए थे। यूं तो वे बैजनाथ के रहने वाले थे लेकिन 1990 के दशक से पालमपुर में कंडबाड़ी नाम की जो जगह है, जोकि नैण पंचायत में है, वहां पर

उन्होंने अपना आशियाना बनाया तथा वहीं पर रहने लगे। वे एक्स-सर्विसमैन थे तो उस कम्युनिटी से उनका बहुत लगाव था और मैं समझता हूं कि हमारे क्षेत्र व बाहर की भी पूरी एक्स-सर्विसमैन कम्युनिटी हमेशा उनकी बहुत प्रशंसा करती है। वे अंत तक सामाजिक कार्यों और समाज से जुड़े रहे तथा उनमें शामिल भी होते रहे।

अध्यक्ष महोदय, उनमें एक खास बात थी और उनके जीवन से हम सबको सीखना भी चाहिए। उनके जीवन में बहुत सारी विपरीत परिस्थितियां आईं। पहले उनके दो बेटों का देहांत हुआ और कुछ वर्ष पहले उनकी धर्मपत्नी का भी देहांत हो गया था। उसके बावजूद भी वे बहुत सादगी से रहते थे और उन्होंने बहुत अच्छा जीवन व्यतीत किया। मैं समझता हूं कि हम सबको उनसे यह सीखने की जरूरत है कि विपत्तियों के बावजूद भी हम किस तरह से भगवान के हर एक निर्णय को मानकर आगे बढ़ते जाएं।

अध्यक्ष महोदय, राजा विजयेन्द्र सिंह जी और श्री राम चन्द भटिया जी का भी स्वर्गवास हुआ है। स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी नगरोटा विधान सभा क्षेत्र के विधायक रहे। उन दोनों के प्रति भी मैं इस शोक प्रस्ताव में अपने आपको शामिल करते हुए भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि इन तीनों दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें। धन्यवाद।

22.08.2026/1135/वाई.के.-एन.जी./2

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य, श्री राम कुमार शोकोद्‌गार में भाग लेंगे।

श्री राम कुमार : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू जी ने तीन पूर्व सदस्यों स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द, श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया के स्वर्गवास पर जो शोक उद्‌गार यहां प्रकट किए हैं, मैं भी अपने आपको उनमें शामिल करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, राजा विजयेन्द्र सिंह जी, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सी0पी0एस0 रहे हैं और मैं खासकर उनके बारे में कहना चाहूंगा कि वे वाकई में राजा थे। हमारे क्षेत्र की हंडूर रियासत में उनके दादा राजा जोगेन्द्र सिंह जी और उनके पिता राजा सुरेंद्र सिंह जी अंतिम शासक रहे हैं। हमारे प्रदेश का बैंक, जिसका हेडक्वार्टर सोलन में है यानी जोगेन्द्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, उन्हीं के नाम से चल रहा है। उन्होंने बहुत सारे संस्थान खोले हैं और उनमें शिक्षा व स्वास्थ्य के संस्थान भी शामिल हैं। जैसे अभी माननीय सदस्य, श्री हरदीप सिंह बावा जी ने भी कहा कि उन्होंने अपनी निजी भूमि दान करके उन संस्थानों को खुलवाया था और हमारे दोनों के चुनाव हल्कों में उनका बहुत बड़ा नाम था।

अध्यक्ष महोदय, वे एक ईमानदार छवि के नेता थे और हमेशा आमजन व गरीब लोगों के दुःख-दर्द में शामिल होते थे और उसमें कार्य करते थे। एक बार ऐसा भी आया कि वर्ष 1985 में, शायद आपको भी मालूम होगा, उनका नाम मुख्य मंत्री के रूप में और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में भी चला था। चौधरी चंद्र कुमार जी (माननीय कृषि मंत्री) उनके साथी रहे हैं और इन्होंने उनके बारे में काफी डिटेल में कहा है। उनकी अंतिम यात्रा में चौधरी साहब के साथ मैं भी शामिल हुआ था और वहां पर हजारों-हजारों लोग आए थे।

22.08.2026/1135/वाई.के.-एन.जी./3

अध्यक्ष महोदय, जिस दिन उनकी मृत्यु हुई थी तब वहां के पुराने लोगों ने कहा था कि आज नालागढ़ सुना हो गया है क्योंकि उनके नाम से ही नालागढ़ रियासत जानी जाती थी। उनका संबंध पटियाला से भी था क्योंकि उनकी स्वर्गीय माता जी पटियाला के राजा की बहन थीं। वे शाही ठाठ से रहते थे और नीचे के स्तर की राजनीति नहीं करते थे। उन्होंने हमेशा मूल्यों की राजनीति की

श्रीमती पी0बी0 द्वारा......जारी

22.08.2026/1140/ए0जी0-पी0बी0/1

श्री राम कुमार...जारी

और जो भी उनके पास आया, उन्होंने राजनीति से ऊपर उठकर विरोधी लोगों की सहायता करने में कभी भी पीछे नहीं हटे। वे पिता जी के साथी रहे है और दोनों इकट्ठे विधान सभा में अपने क्षेत्र के मुद्दों को लेकर आते थे तथा जो भी हमारे क्षेत्र के मुद्दे होते थे, उनके लिए संयुक्त रूप से लड़ते थे। हमारा डिवीज़न भी एक होता था और हमारा ब्लॉक भी एक होता था। जब ब्लॉक की लड़ाई होती थी, उस समय मैं छोटा था और मुझे याद है कि दोनों विधायक मिलकर नालागढ़ ब्लॉक के सभी बी0डी0सी0 सदस्यों को राजा नालागढ़ के महल में इकट्ठा करते थे। उसके बाद एक सीट दून को और एक सीट नालागढ़ को दी जाती थी तथा वे इस तरीके से बांटकर काम करते थे। राजा नालागढ़ बहुत ही उच्च विचारों वाले और स्वच्छ छवि के ईमानदार नेता थे। इसलिए मैं इन तीनों पूर्व सदस्यों स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी, स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी और स्वर्गीय राजा विजयेन्द्र सिंह जी को माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रकट किए गए शोकोद्‌गार में अपने आप को भी शामिल करता हूं और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जय हिन्द।

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री आर0एस0 बाली जी अपने शोकोद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री आर0एस0 बाली : अध्यक्ष महोदय, आज माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो शोक प्रस्ताव सदन में लाया है उसमें तीन विभूतियां स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी, स्वर्गीय राजा विजयेन्द्र सिंह जी और स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी शामिल हैं। वैसे तो इन तीनों विभूतियों ने बहुत लम्बे अरसे तक प्रदेश की सेवा की और अनेकों सदस्यों ने इनके बारे में बहुत-सी बातें बताई हैं। जहां तक स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी की बात है, वह जब वर्ष 1977 में विधायक बनकर आए और प्रदेश की सेवा की, तब कांगड़ा जिले से उनका ताल्लुक रहा और उन्होंने हमेशा कांगड़ा जिले की आवाज भरपूर उठाई। उन्होंने अपने क्षेत्र को एक सरल और साफ-सुथरा नेतृत्व दिया। स्वर्गीय राजा विजयेन्द्र सिंह जी बहुत ही नेक इंसान थे और हमारे परिवार के साथ उनका व्यक्तिगत ताल्लुक रहा है। उन्होंने लम्बे अरसे तक

प्रदेश की सेवा करते हुए जन-जन के कल्याण के लिए काम किया। विधान सभा के सदस्यों ने इनके बारे में और इनके अनुभवों के बारे में

22.08.2026/1140/ए0जी0-पी0बी0/2

बहुत-सी बातें कही हैं जिनसे इनकी शख्सियत के बारे में पता लगता है। आज मैं सबसे पहल इन दोनों को श्रद्धांजलि देना चाहूंगा।

मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से और हमारे विधान सभा क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी क्षति स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी का निधन है। वह कई बार नगरोटा-बगवां से विधायक रहे। तीन बार इसी विधान सभा में उन्होंने नगरोटा के विकास और मुद्दों के लिए अपनी आवाज उठाई। वह एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने उस समय राजनीति की जब राजनीति करना बहुत मुश्किल काम था। उस समय सड़कें नहीं थीं और स्कूलों के हालात भी अलग थे। आज हम जहां सीनियर सैकंडरी और हाई स्कूल की बात करते हैं वहां उस समय बहुत कम हाई स्कूल और बहुत ही कम सीनियर सैकंडरी स्कूल थे। उस समय गांवों में जाना बहुत कठिन हुआ करता था और दूर-दराज के क्षेत्रों में हर जगह पहुंचने के लिए पैदल ही चलना पड़ता था फिर भी अनेकों घंटों का सफर करके स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी अलग-अलग गांवों में पहुंचते थे। वह ऐसे नेक इंसान थे जिन्होंने तीन मर्तबा नगरोटा-बगवां से विधायक रहते हुए लोगों के साथ एक ऐसा संबंध बनाया जिसमें उनकी सरल और स्वच्छ छवि हमेशा लोगों को देखने को मिली। यूं तो स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी विधायक रहे और विधायक रहते हुए उन्होंने लोगों की सेवा की लेकिन जन-कल्याण के लिए वह जिंदगी भर, जब तक जिए, हमेशा

श्री ए0पी0 द्वारा जारी..

22.08.2026/1145/ए0जी0/ए0पी0/-01

श्री आर0एस0 बाली जारी.....

उन्होंने लोगों की सेवा की, पर जनकल्याण के लिए वे जब तक जिए हमेशा तत्पर रहे। मुझे याद है वह समय जब वे बीमार थे और उनके बेटे श्री विवेक भाटिया जी से मेरी बात हुई,

कई मर्तबा उनसे मेरी बात होती रही। मैं उनसे हमेशा कहता रहता तथा अपने अनुभव साझा करता रहता, जो अनुभव और बातें हमने स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी के बारे में जिंदगी भर सुनी थीं। मेरे पिता जी के साथ उनका पहला चुनाव हुआ था और वर्ष 1998 में जब मेरे पिता जी सदन में आए, तो उस समय वे स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी के साथ चुनाव लड़कर यहां सदन में पहुंचे थे। लेकिन जिंदगी भर स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी के साथ उनका जो रिश्ता रहा है वह बहुत मधुर रहा है। अक्सर वे आपस में नगरोटा बगवां के विकास, नगरोटा बगवां को आगे ले जाने के बारे में बातें करते थे। स्वर्गीय रामचंद भाटिया जी ने अपने समय में जो-जो काम करवाए उनको किस तरह से आगे ले जाना है इस बारे में बातें किया करते थे। रामचंद भाटिया जी के साथ जब भी उनकी बात होती थी, उनका एक आत्मीय नाता हमेशा देखने को मिलता था। मुझे याद है कि जब वर्ष- 1998 में चुनाव हुआ तो चुनाव के तुरंत बाद जब मेरे पिता जी जीतकर आए तो सबसे पहले वे रामचंद भाटिया जी से मिलने गए थे। उनसे मिलकर उन्होंने उनकी सराहना की और यह भी कहा कि कोई बात नहीं, हार-जीत तो होती रहती है। लेकिन आपने जो अमूल्य काम किये है उनको याद रखकर हम हमेशा आगे बढ़ाएंगे। हमेशा उनका एक-दूसरे के साथ संपर्क रहा। जब रामचंद भाटिया जी बीमार हुए तो कई मर्तबा मैं उनके बेटे और उनके परिवारजनों से बात करता रहा। जब अस्पताल में मैं उनको देखने गया और उनकी धर्मपत्नी से मिला तो उन्होंने मुझे गले लगकर पूछा कि क्या ये ठीक हो जाएंगे? उस समय एक मां और एक धर्मपत्नी बहुत-ही व्यथित और परेशान थी। उनके बेटे भी परेशान थे। जब मैं उनके पास अंदर गया तो रामचंद भाटिया जी उस समय गंभीर अवस्था में थे। उनका हाल कई बार फोन के माध्यम से, उनके बेटे के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल पर पूछा। टांडा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और डॉक्टरों से भी कई मर्तबा हमारी बात होती रही। इतने मजबूत आदमी जिन्होंने तीन मर्तबा नगरोटा बगवां के विधायक के रूप में सेवा की, उनको इस अवस्था में देखकर बहुत ही ठेस पहुंची। मेरी जब उनकी धर्मपत्नी

22.08.2026/1145/ए0जी0/ए0पी0/-02

से बात हुई। मैंने अपने परिवार में अपनी धर्मपत्नी, अपनी बुआ और अपनी बहन को भी कई बार उनसे मिलने के लिए अस्पताल भेजा और मेरे साथ भी वे अस्पताल गए। जब हम सभी ने उनकी धर्मपत्नी और उनके बच्चों से बात की तो मैंने उनको एक ही चीज कही कि

रामचंद भाटिया जी एक बहुत ही मजबूत इंसान हैं और आखिरी मिनट तक वे लड़ रहे हैं। आप सभी भी बहुत मजबूत हैं क्योंकि आप ऐसे परिवार से आते हैं जिन्होंने इतने कल्याण किए हैं, इतनी सेवा की है और इतना काम किया है। आज भी जब मैं गांव में जाता हूं और गांव-गांव में पहुंचता हूं, लोगों से बात करता हूं तो कई मर्तबा उनकी बात सुनने को मिलती है कि इस जगह पर रामचंद भाटिया जी पैदल आया करते थे। उसके बाद सड़कें बनीं और सड़कें बनने के बाद आज हम गाड़ियों में हर जगह पहुंचते हैं लेकिन वे जो दुर्गम इलाके थे जहां सड़कें नहीं थीं। वहां एक-एक दिन रहकर और वहीं सोना, लोगों के काम करना और उस समय बसों के अंदर जहां तक पहुंच सकते थे बसों से पहुंचना और उसके बाद पैदल चलना। इस तरह की प्रवृत्ति एक नेक इंसान में ही हो सकती है। श्री रामचंद भाटिया जी के परिवार के लिए नगरोटा बगवां विधान सभा क्षेत्र जो हमारा नगरोटा परिवार है उनके गुजरने से बहुत ही व्यथित रहा है। व्यक्तिगत रूप से हमारा परिवार भी उनके परिवार के लिए और पूरे रामचंद भाटिया जी के परिवार, रिश्तेदारों और उनके सभी सज्जनों के लिए बहुत व्यथित रहा है। रामचंद भाटिया जी के अंतिम संस्कार के समय जब मैं वहां पहुंचा तो उनकी पार्टी के बहुत से नेता भी आए थे। वहां भी एक ही चीज देखने को मिली कि रामचंद भाटिया जी ने लोगों का जो सत्कार किया, उनके लिए जो काम किया उसको आज भी लोग कहीं-न-कहीं प्यार करते हैं।

श्री ए0टी0 द्वारा जारी .....

22.08.2026/1150/AT/AS/01

श्री आर0एस0 बाली जारी..

उनके परिवार के लिए, एक ऐसे नेक इंसान के लिए, उनके कर्मों और कार्यों के लिए तथा तीन मर्तबा रामचंद भाटिया जी ने नगरोटा बगवां की जो सेवा की है, उसके लिए हम उन्हें हमेशा याद रखेंगे। उनकी जो नेक प्रवृत्ति रही, उसी प्रवृत्ति को लेकर वे जिंदगी भर जिए और उसी अच्छी प्रवृत्ति के साथ इस दुनिया से विदा हुए। नगरोटा बगवां, कांगड़ा जिला, जो कि हमारा जिला है और पूरा हिमाचल प्रदेश हमेशा उनके अमूल्य योगदान, उनके कार्यों और उनकी सेवाओं को याद रखेगा। आज स्वर्गीय श्री ज्ञानचंद जी, स्वर्गीय श्री विजेंद्र सिंह जी और हमारे नगरोटा बगवां के एक नेक, जुझारू, सरल छवि के और अच्छे

इंसान एवं अच्छे नेता को हमने खोया है। व्यक्तिगत रूप से नगरोटा बगवां से हमारे एक पूर्व विधायक, श्री रामचंद भाटिया जी, इस दुनिया से चले गए हैं। हम इन तीनों विभूतियों के निधन पर उनके परिवारों के प्रति शोक प्रकट करते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष : सदन के नेता एवं माननीय मुख्य मंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी ने शोकोद्गार का जो प्रस्ताव इस सदन में दिवंगत आत्माओं स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द, श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया, पूर्व सदस्यों, को श्रद्धांजली अर्पित करने के लिए लाया है मैं भी अपने आप को इसमें सम्मलित करता हूं। स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी का जन्म दिनांक 12 अगस्त, 1937 को गांव-चढ़ियार, जिला-कांगड़ा में हुआ था। श्री भाटिया राजनीति में आने से पहले सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों से जुड़े हुए थे। वर्ष 1977 में विधायक चुने गए। वर्ष 1972 ग्राम पंचायत चढ़ियार में सदस्य रहे । उनकी समाज सेवा में विशेष रूचि थी । दिनांक 03 जून, 2026 को निधन हुआ।

स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी का जन्म दिनांक 26 जून, 1946 को स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र सिंह जी के घर में हुआ था। श्री विजयेन्द्र सिंह जी ने पहली बार 1977 में विधायक चुने गये थे उसके पश्चात् वर्ष 1982, 1985, 1990 व 1993 में पुनः सदस्य चुने गये । वह मई, 1982 से 07 अप्रैल, 1983 तक मुख्य संसदीय सचिव रहे तथा 1983-1984 व पुनः वर्ष 1988-89 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मन्त्री के पद पर रहे। उनकी विशेष रूचि

22.08.2026/1150/AT/AS/02

सामाजिक कार्य, बेरोज़गारी, ग्रामीण निर्धनता को दूर करने तथा समाज में महिलाओं की प्रतिष्ठा उभारने के लिए वह विशेष तौर पर कार्य करते थे । 80 वर्ष की आयु में दिनांक 01 जुलाई, 2026 को निधन हुआ ।

स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी का जन्म दिनांक 04 फरवरी, 1948 को स्वर्गीय श्री सुदों राम जी के घर गांव-अमतरार, डाकघर-सुनेह, जिला-कांगड़ा में हुआ था। श्री भाटिया राजनीति में आने से पहले सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों से जुड़े हुए थे। ग्रामीणों के बीच उनकी सहज उपलब्धता, निष्पक्षता और समस्याओं को समझने की क्षमता

ने उन्हें जनप्रिय बनाया। वर्ष 1982, 1985 व 1990 में विधायक चुने गए। वर्ष 1982 तथा 1985 में लोक लेखा समिति, लोक उपक्रम समिति, नियम समिति, आवास समिति और कार्य सलाहकार समिति के सदस्य रहे। उनकी समाज सेवा में विशेष रूचि थी। वे सदा निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रतीक रहे। 78 वर्ष की आयु में दिनांक 29 जुलाई, 2026 को निधन हुआ।

मैं दिवंगत आत्माओं को मान्य सदन की ओर से भी शांति की कामना करता हूं और सदन की भावनाओं को स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द, श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया, पूर्व सदस्यों के परिवारों तक पहुंचा दिया जाएगा।

अब मैं, सभी सदस्यों से निवेदन करूंगा कि वे दिवंगत आत्माओं को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए अपने-अपने स्थान पर कुछ क्षण के लिए मौन खड़े हो जाएं।

श्रीमती ऐ0वी0 द्वारा जारी.....

22.08.2026/1155/av/as/1

अध्यक्ष क्रमागत--------

(सभा मण्डप में उपस्थित सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने हेतु कुछ क्षण के लिए खड़े हुए।)

अब 12.00 बजने के लिए केवल पांच मिनट्स शेष बचते हैं। इसलिए अब प्रश्न काल आरम्भ होगा।

22.08.2026/1155/av/as/2

व्यवस्था का प्रश्न

श्री रणधीर शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम-67 के अंतर्गत दिए गए नोटिस के संदर्भ में पूछना चाहता हूं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कल इस बारे में हम सभी ने मिलकर समाधान निकाला था कि यह आज प्रश्न काल के बाद होगा। इसलिए प्रश्न काल समाप्त होने दीजिए।

प्रश्न काल

स्थगित प्रश्न संख्या : 3623

श्री भुवनेश्वर गौड़ : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न यह था कि पिछले वर्ष मनाली विधान सभा क्षेत्र में कितने लोगों को रोज़गार दिया गया; जिसका ब्यौरा मुझे विभागवार दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, बरसात के मौसम में कभी भी बाढ़ आ जाती है। वर्तमान समय में लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की मदद के लिए लाइनमैन, बेलदार इत्यादि की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। जबकि वर्तमान में इनके काफी पद रिक्त पड़े हुए हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये रिक्त पद कब तक भर दिए जाएंगे?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिन्ता मनाली विधान सभा क्षेत्र में बार-बार बाढ़ आने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए विभागों में लाइनमैन और बेलदार इत्यादि के रिक्त पदों से संबंधित है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि फंक्शनल पोस्ट्स को नियम और परिस्थितियों के हिसाब से समय-समय पर भरा जाता है। जब बाढ़ आती है तो सारे कार्य ठेकेदारों के माध्यम से करवाए जाते हैं और सारी लेबर्ज भी उनके द्वारा ही प्रोवाइड करवाई जाती है। यह परम्परा पिछले 40-50 वर्षों से चली आई है। इन्होंने जिस प्रकार से बेलदार की पोस्ट का जिक्र किया है तो यह पोस्ट पिछली सरकार के समय में ही खत्म हो गई थी। उसकी जगह इन्होंने लोक निर्माण विभाग में मल्टी पर्पज वर्कर्ज की नियुक्ति की थी। जिसके तहत काफी लोगों को नियुक्त किया गया था। लेकिन माननीय सदस्य ने जो

22.08.2026/1155/av/as/3

वि**द्युत विभाग से संबंधित चिन्ता व्यक्त की है तो विद्युत विभाग में हम बिजली मित्र भरने जा रहे हैं। यह पावर एक्सियन को दे दी गई है कि वे ठेकेदारों के माध्यम से अपने लोकल**

लोगों को रोज़गार दे सकता है ताकि जब बारिश या बाढ़ के कारण कोई नुकसान हो तो उसको समय पर रिस्टोर किया जा सके।जहां तक जल शक्ति विभाग की बात है तो मल्टी पर्पज वर्कर्ज की भर्ती जो पिछली सरकार के समय में शुरू हुई थी, हमारी सरकार भी आने वाले समय में 4000 मल्टी पर्पज वर्कर्ज भरने की दिशा में कदम उठा रही है। मैं माननीय सदन को यह आश्वासन देना चाहता हूं।

अगला प्रश्न टी सी द्वारा जारी

22.08.2026/1200/टी0सी0वी0/डी0सी0/-1
प्रश्न संख्याः 4027

श्री मोहन लाल ब्राक्टा : अध्यक्ष महोदय, मैं उप-मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने प्रश्न का विस्तृत उत्तर दिया है और यह भी बताया है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में विभाग द्वारा 31 योजनाएं पूर्ण कर दी गई हैं। केंद्रीय जल जीवन मिशन के तहत चार योजनाएं अभी शेष हैं जो जल जीवन मिशन के तहत पैसा प्राप्त न होने के कारण पूर्ण नहीं हो पा रही है। मैं उप-मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये चार योजनाएं कब तक पूर्ण कर दी जाएगी? आपने यह भी बताया है कि कुछ योजनाएं तैयार हो गई हैं लेकिन कुछ ठेकेदारों की देनदारी शेष है। मेरा उप-मुख्य मंत्री जी से आग्रह है कि इन योजनाओं को भी शीघ्र जनता को समर्पित किया जाए।

उप-मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जल जीवन मिशन के तहत 6395 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी जिसमें से हिमाचल प्रदेश को 5184 करोड़ रुपये मिल चुके हैं और 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अभी तक प्राप्त नहीं हो पाई है। इसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। सितम्बर माह में एक व दो तारीख को दिल्ली में प्रधानमंत्री जी के साथ बैठक निर्धारित है। वहां भी हम यह विषय रखेंगे कि यदि यह पैसा हमें मिल जाए तो सभी लंबित योजनाओं को पूर्ण किया जा सकता है।

अध्यक्ष महोदय, जल जीवन मिशन के तहत कुल 1,747 योजनाएं थीं जिनमें से 666 योजनाएं ही पूर्ण हो पाई हैं और 81 योजनाएं पूर्ण नहीं हो पाई हैं। इन योजनाओं को पूर्ण करने के लिए धनराशि की आवश्यकता है। जहां तक सदस्य के विधान सभा क्षेत्र का

सवाल है वहां 49 योजनाएं थीं जिनमें से 16 योजनाएं पूर्ण हो गई हैं। शेष योजनाओं को पूर्ण करने के लिए 8 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। जल जीवन मिशन के तहत जब हमें धनराशि प्राप्त होगी तभी इन योजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। हमने मुख्य मंत्री जी से भी आग्रह किया है कि कुछ धनराशि उपलब्ध करवाई जाए। प्रथम चरण में उन्होंने 100 करोड़ रुपये दिए हैं। यदि केन्द्र से शेष राशि मिल जाती है तो इसमें से कुछ धनराशि रोहड़ू विधान सभा क्षेत्र को भी देने का प्रयास करेंगे ताकि वहां की कुछ योजनाएं पूर्ण हो सकें। हालांकि, समग्र रूप से ये योजनाएं तभी पूर्ण होंगी जब केंद्र से 1227 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हो पाएगी।

प्रश्न काल समाप्त।

22.08.2026/1200/टी0सी0वी0/डी0सी0/-2

व्यवस्था का प्रश्न

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, पिछले कल हमारा मॉनसून सत्र शुरू हुआ। सत्र शुरू होने से पहले मुख्य मंत्री जी ने मीडिया के समक्ष एक वक्तव्य दिया था। वह वक्तव्य यह था कि हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की कोई बैठक हुई है और उस बैठक में राष्ट्रीय गीत को लेकर निर्णय लिया गया है कि उसका कितना गान किया जाए। इस संबंध में जो भी निर्णय हुआ होगा, उसके पश्चात जब यह सदन शुरू हुआ तो सदन के अंदर जो हमारे नियम और यहां की परंपराएं एवं कन्वेंशंस रही हैं उनके अनुसार यहां राष्ट्रीय गान से शुरुआत हुई। राष्ट्रीय गान के समय पूरे सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्य सावधान की मुद्रा में खड़े होकर उसके गान में शामिल हुए। जब राष्ट्रीय गान समाप्त हुआ तो उसके पश्चात विपक्ष की ओर से हमारे माननीय सदस्य ने यह बात संदर्भित करना उचित समझा कि लोक सभा और राज्य सभा में बिल पारित हुआ है तथा उस बिल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का संपूर्ण गान करने का फैसला हुआ है। इसके साथ-साथ जो लोग राष्ट्रीय गीत के सम्मान में नहीं होंगे, उसका अपमान करेंगे अथवा उसके प्रति आदर का भाव नहीं रखेंगे उनके संबंध में कानून के अंतर्गत सजा का भी प्रावधान किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, 15 अगस्त को हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस कार्यक्रम की शुरुआत पहली बार लाल किले से संपूर्ण राष्ट्रगान के साथ की। सीधी-सी बात है कि जब संसद द्वारा कोई कानून पारित कर दिया गया है और उसे लागू करने की दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिए हैं तो उस पर अमल होना चाहिए। मैं इस बात से भी सहमत हूं कि हिमाचल प्रदेश में

एन0एस0 द्वारा जारी ...

22-8-2026/1205/एन0एस0-डी0सी0/1

श्री जय राम ठाकुर------जारी

अभी 15 अगस्त को वंदे मातरम और संपूर्ण वंदे मातरम का गायन सभी जगह हुआ। हम उसी स्पिरिट को एक्सपेक्ट कर रहे थे कि विधान सभा का यह मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है और इस मॉनसून सत्र के दौरान भी यह चीज यहां देखने को मिलेगी लेकिन नहीं मिली। विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों ने राष्ट्रीय गान का पूरा सम्मान किया और उसका पूरा गायन किया। अध्यक्ष महोदय, उसके पश्चात इस संदर्भ में जब आपसे थोड़ी-सी जानकारी चाही गई तो आपने परंपराओं, कन्वेंशन और नियमों का जिक्र किया और आपने अपने अधिकार के संबंध में यह कहा कि अध्यक्ष होने के नाते मैं इस बारे में फैसला लेने के लिए अधिकृत हूं। यहां तक तो ठीक है और यह बात समझ में भी आती है लेकिन उसके बाद अचानक जब हाउस एडजॉर्न हो गया और यहां पर कुछ आपत्ति हुई तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में स्थिति उत्पन्न होने पर पूरे दिन के लिए हाउस एडजॉर्न हो गया। सत्ता पक्ष के सारे विधायक,मंत्रीगण, मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में माननीय सदन के बाहर यहां से नारे लगाते हुए गए और उसमें जिक्र किया कि 'राष्ट्रीय गान का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान।' मुझे बताया जाए कि राष्ट्रीय गान का अपमान किसने किया? इस माननीय सदन के अंदर सभी ने गायन किया, सावधान की मुद्रा में खड़े हुए और सम्मान के साथ राष्ट्रीय गान का गायन किया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे चाहूंगा कि इस प्रकार की झूठी परसेप्शन क्रिएट करने की जो कोशिश मीडिया के माध्यम से की जा रही है, उसके संबंध में इस माननीय सदन के अंदर सभी माननीय सदस्यों को वीडियो क्लिपिंग दिखाई जाए। आप इस माननीय सदन के अंदर भी दिखा सकते हैं कि राष्ट्रीय गान का अपमान कहां

हुआ है? राष्ट्रीय गान समाप्त होने के बाद कोई प्रश्न खड़ा करने का अधिकार माननीय सदस्यों का है। इसलिए यह झूठा प्रचार बाहर भी किया गया, कल भी किया गया और आज भी किया गया तथा यह बात मीडिया में बार-बार गई।

अध्यक्ष महोदय, मैं पिछले कल इस माननीय सदन में नहीं था लेकिन मैंने देखा कि दिल्ली तक इस सारी बात को इस तरह उठाने की कोशिश की गई कि हिमाचल प्रदेश की विधान सभा के अंदर विपक्ष के विधायकों ने राष्ट्रीय गान का अपमान किया जोकि कतई भी सत्य नहीं है बल्कि पूर्ण रूप से असत्य है। माननीय मुख्य मंत्री जी को जो नहीं है उसको बताने की आदत बन गई है और जो सच्चाई है, उससे हटकर

22-8-2026/1205/एन0एस0-डी0सी0/2

परसेप्शन खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि इस माननीय सदन के अंदर जितनी भी स्क्रीन्ज लगी हैं उन पर यह डिस्प्ले किया जाए और हम देखना चाहते हैं कि किस माननीय सदस्य ने इस माननीय सदन के अंदर राष्ट्रीय गान का अपमान किया है? अगर नहीं किया है तो मुख्य मंत्री जी को सदन के अंदर और बाहर माफी मांगनी चाहिए। हम चाहते हैं कि इस संदर्भ में आप व्यवस्था दें क्योंकि यह विषय बहुत बड़ा विषय है। राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत का अपमान सहन नहीं किया जा सकता है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। मुझे यह बहुत विचित्र लगा कि यदि राष्ट्रीय गीत का अपमान हुआ है तो कांग्रेस के मुख्यालय में 15 अगस्त के दिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी, श्रीमती सोनिया गांधी जी और श्री राहुल गांधी जी उपस्थित थे और उस वक्त हुआ है तथा घोर अपमान हुआ है। यानी राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत चल रहा था और उसे रोकने के लिए कहा गया और वह अपमान है। राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत चल रहा था। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, अंत में, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं और एक निवेदन करना चाहता हूं कि जो चीज इस माननीय सदन के अंदर हुई ही नहीं है जिसके लिए मुख्य मंत्री जी इस प्रकार से कह रहे हैं तो उसके लिए मुख्य मंत्री जी माफी मांगें। ...(व्यवधान) एक

मिनट, भाई। दूसरा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने वर्ष 1937 में जब पूरे राष्ट्रीय गीत को नहीं गाने का फैसला लिया तो उसमें सिर्फ एकमात्र वजह थी कि एक समुदाय विशेष को राष्ट्रीय गीत पर आपत्ति थी और इस कारण से कांग्रेस पार्टी ने सिर्फ दो स्टैंजा ही गाने का फैसला वर्ष 1937 में लिया था। इसका परिणाम यह हुआ

आर0के0एस0 द्वारा -------जारी

22.08.2026/1210/RKS/HK-1

श्री जय राम ठाकुर जारी....

कि राष्ट्रीय गीत खंडित हुआ और उसके दो भाग हो गए तथा देश के भी दो टुकड़े हुए। यह इतिहास का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय है। मुख्य मंत्री जी ने जो कहा है, वह उचित नहीं है। यह देश संविधान के अनुसार चलेगा। यह देश कांग्रेस वर्किंग कमेटी के फरमानों से नहीं चलेगा। अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रीय महत्व के ऐसे गंभीर विषय पर इस प्रकार की टिप्पणी करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं चाहूंगा कि आप इस विषय पर अपनी व्यवस्था दें।

22.08.2026/1210/RKS/HK-2

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी। ...(व्यवधान)

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय विपक्ष के नेता अभी देश के प्रधान मंत्री जी से मिलकर आए हैं जो अच्छी बात है। इन्होंने वहां 1500 करोड़ रुपये जारी करने की बात तो नहीं की है लेकिन इस विषय पर अवश्य चर्चा की होगी। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि माननीय नेता प्रतिपक्ष स्वयं तो अच्छे हैं लेकिन इन्हें यहां आकर कोई उकसा जाता है। विपक्ष के लोग कई गुटों में बंटे हैं और इसलिए ये आपको कुछ-न-कुछ पढ़ा रहे हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत कांग्रेस की ही देन है। ...(व्यवधान) जब मैं बोलता हूं तो आप खड़े हो जाते हैं लेकिन मैं आपका बूरा नहीं मानता हूं।...(व्यवधान) आप नेता प्रतिपक्ष हैं और पूर्व मुख्य मंत्री भी रहे हैं। विपक्ष के लोग जो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की बात कर रहे हैं, मैं इन्हें कहना चाहूंगा कि यह राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किसी एक पार्टी, एक व्यक्ति, एक क्षेत्र या एक धर्म के नहीं हैं बल्कि पूरे देश की शान हैं। राजनीति करने के

लिए बहुत से मंच हैं लेकिन इस प्रकार की छद्म राष्ट्रवाद और छद्म धर्मनिरपेक्षता की राजनीति उचित नहीं है। ये कह रहे हैं कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के लिए कानून बना दिया गया। सत्र आरम्भ होते ही विपक्ष के सदस्यों ने हाथ खड़े करते हुए कहा कि राष्ट्रगान के बाद वंदे मातरम् भी होगा लेकिन आपने इन्हें सदन की परम्पराओं के बारे में बताया। अध्यक्ष महोदय, जो परम्पराओं का सम्मान नहीं करते, वही राष्ट्रीय अपमान होता है।...(व्यवधान) ये राष्ट्रीय अपमान के दोषी हैं। ...(व्यवधान) आप राष्ट्रीय अपमान के दोषी हैं।

(भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर आपस में नोकझोंक करने लगे।)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जाएं। कृपया अपनी ...(व्यवधान)

मुख्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, ये दोषी लोग हैं। ...(व्यवधान)

Speaker : Please take your seats.

22.08.2026/1210/RKS/HK-3

(भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस विधायक दल के सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

Speaker : Please take your seats. ...(व्यवधान)

श्री बी0एस0द्वारा जारी

22.08.2026/1215/बी.एस./एच.के.-1

...(व्यवधान)

Speaker: Please, please ...(Interruption) Please take your seats. ...(Interruption) माननीय सदस्य, कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइए...(व्यवधान)... Let him complete. ...(Interruption)

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रीय ध्वज का जब अपमान होगा तो नारे भी लगेंगे। मैं सिराज में हुई घटना की बात करना चाहता हूं।...(व्यवधान)...

श्री बिक्रम सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी जो बोल रहे हैं इसे डिसप्ले करवाइए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आजकल डिसप्ले का बहुत रिवाज है।

Speaker : Please, please ...(Interruption) No interruption please. Let the Hon'ble Chief Minister speak. ...(Interruption) Please, please, order please. ...(Interruption) Please, please order please. ...(Interruption) No interruption please.

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ये लोग तिरंगे का सम्मान नहीं करते हैं। हिमाचल प्रदेश के मंत्री, पूर्व मुख्य मंत्री के विधान सभा क्षेत्र में गए उनकी गाड़ी में तिरंगा झंडा लगा हुआ था उस झंडे के ऊपर जूते फैंके गए। हमें ये क्या देशभक्ति समझाएंगे?

नेता प्रतिपक्ष के विधान सभा चुनाव क्षेत्र में ये सब हुआ है। मैंने आपसे भी इस बारे में बात की, वहां मंत्री का घेराव किया गया और तिरंगे पर जूते फेंके गए। आप लोग राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के बारे में उस पार्टी को समझा रहे हैं जिस पार्टी ने इस देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और जिस पार्टी के नेताओं ने उस समय कुर्बानी दी जब यह देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब देश आजाद हुआ, जब देश आजाद हुआ तो देश में सुई तक नहीं बनती थी। ...(व्यवधान)...

Speaker : Please, please order please. ...(Interruption) No interruption please.

22.08.2026/1215/बी.एस./एच.के.-2

मुख्य मंत्री : इस पार्टी ने देश को संवारा और इस देश को बनाया। यदि इस देश के लिए किसी पार्टी ने बलिदान दिया तो वह कांग्रेस पार्टी है जब देश आजाद हुआ तो इस देश में सुई तब नहीं बनती थी लेकिन आज इस देश में सुई से लेकर जहाज तक बनता है। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों के संभव हुआ है। देश में IIM और IIT खुले और ये लोग...(व्यवधान)... जो ड्रामा करते हैं ये देश भक्त? राष्ट्रगान से पहले हाथ खड़ा करके बोलते हैं कि राष्ट्रगीत गाएं। यह ड्रामा नहीं तो और क्या है? ये सब ड्रामेबाज हैं। ...(व्यवधान)...आपको बोलने का पूरा समय दिया गया है।...(व्यवधान)...

(सत्ता पक्ष और विपक्ष के माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे) ...(व्यवधान)...

Speaker : Please take your seats. ...(Interruption) Please take your seats. ...(Interruption) Please take your seats. ...(Interruption) Please order in the House please. ...(Interruption) Please take your seats. ...(Interruption)

House is adjourned till 2 o'clock.

22.08.2026/1400/DT/YK-1

(माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजनोपरान्त 2.00 बजे अपराह्न पुनः प्रारम्भ हुई)

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी आप कुछ कहना चाहते हैं?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा सदन को दोपहर के भोजन के लिए स्थगित करने से पूर्व माननीय सदस्य ने जो बात रखी थी मैं उसी बात को दोहराते हुए यह कहना चाहता हूं, क्योंकि हम हमेशा से यह कहते आ रहे हैं कि जहां देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति की बात आती है, उसमें कांग्रेस पार्टी हमेशा से आगे रही है। लेकिन जिस प्रकार से राष्ट्रगान का अपमान हुआ है, विपक्ष के सदस्य वीडियो की बात कर रहे हैं, इन लोगों ने परंपरा की बात तो बाद में कही कि यह एक परंपरा है। इन्होंने पहले अपने हाथ खड़े किए लेकिन अध्यक्ष महोदय फिर आपने कहा कि पहले राष्ट्रगान तो गा लेते हैं। ...(व्यवधान)

वीडियो आपको दिखा देंगे ...(व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, वीडियो ...(व्यवधान) भई उसी का...(व्यवधान) अरे भई आप ...(व्यवधान) कहा तो दिखा देंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हाथ खड़ा किया कि राष्ट्रगीत की बात करो। आपने कहा कि राष्ट्रगान की बात करो यानी राष्ट्रगान परंपरा के अनुसार गाया जाता है। ...(व्यवधान)

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

22.08.2026/1405/वाई.के.-एन.जी./1

मुख्य मंत्री.......... जारी

Speaker : Pease, please, please order in the House. ...(Interruption)

श्री बिक्रम सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं प्रत्यक्षदर्शी हैं, आप ही बता दीजिए कि कल क्या हुआ था?...(व्यवधान) (अपने स्थान से बिना अनुमति के कहा गया)

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, झूठ बोलना इनके (विपक्ष के माननीय सदस्यों के लिए कहा) शब्दों का तकिया कलाम हो गया है। ये लोग अपने आप सबसे बड़े झूठे हैं और सबको बोलते हैं कि तुम झूठ बोल रहे हो। ...(व्यवधान) यह बात शुरू क्यों हुई? वहीं से अंदाजा लगा लीजिए। ...(व्यवधान) वीडियो आप नीचे जाकर देख लेना, आपको किसने रोका है? ...(व्यवधान) फिर तो हरेक का वीडियो चलेगा।...(व्यवधान) नीचे जाकर देख लो।...(व्यवधान) आपको किसने रोका है?...(व्यवधान) अरे गुस्सा क्यों कर रहे हो? (माननीय सदस्य, श्री विनोद कुमार की ओर देख कर कहा।) ...(व्यवधान)

Speaker : Please, please, order please....(Interruption)

(सत्तापक्ष व विपक्ष के कुछ माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर एक-दूसरे के साथ नोंकझोंक करने लगे।)

Speaker : Please, please, order please. ...(Interruption)

मुख्य मंत्री : भाई आपने राष्ट्र का अपमान किया है। ...(व्यवधान)

Speaker : Please, please. ...(Interruption)

22.08.2026/1405/वाई.के.-एन.जी./2

(सत्तापक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर विपक्ष के माननीय सदस्यों को देखकर नारेबाजी करने लगे।)

Speaker : Please, please, please. ...(Interruption)

(सत्तापक्ष व विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर एक-दूसरे के प्रति **नारेबाजी करने लगे।)**

Speaker : Please, please, please. ...(Interruption) Please, please, ...(Interruption) Please, no slogan shouting please. ...(Interruption) Please order please. ...(Interruption) Please, take your seats please. ...(Interruption) Please, please order in the House please. ...(Interruption) Please, please, please ...(Interruption) Please, I request you all please take your seats otherwise I will be forced to adjourned the House. Please, please order in the House please. ...(Interruption) Please, please. ...(Interruption)

Now the House is adjourned till 24th August, 2026 till 2.00 PM.

Shimla: 171004 **Yash Paul Sharma**
22 August, 2026 **Secretary**